A-616

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

PJ-101

खगोलीय परिचय एंव फलित ज्योतिष हेतु आरम्भिक गणित

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

1st Sem./ 1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. ज्योतिषशास्त्रीय काल गणना का विस्तृत विश्लेषण कीजिये।

Q.2. भचक्र का परिचय देते हुए जातक के 27 नक्षत्रोंत्पन्न जन्म फल का लेखन कीजिये।

Q.3. पंचांग पर निबन्ध लिखिये।

Q.4. सौर मण्डल का विस्तृत विवेचन करें।

Q.5. विंशोत्तरी दशा की उपयोगिता बतलाते हुए साधन विधि लिखिये।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. ज्योतिषोक्त नवग्रहों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

Q.2. गण्डलमूल नक्षत्र कौन–कौन से है? फलसहित वर्णन कीजिये।

Q.3. करण किसे कहते है? सैद्धान्तिक व्याख्या कीजिये।

P.T.O.

Q.4. वृहस्पति एंव शनि ग्रह का विवेचन कीजिये।

Q.5. सौर एंव चान्द्र मास का परिचय देते हुए द्वादश सौर मासों का नाम लिखिये।

Q.6. लग्न से आप क्या समझते है?

Q.7. अन्तर्दशा एंव प्रत्यन्तर्दशा साधन विधि लिखिये।

Q.8. द्वादश भावों का संक्षिप्त परिचय देते हुए विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिये।

****